



ACADEMIC ACHIEVEMENT

1. Edventure Teacher Training Residential Camp 2024

Edventure was held from June 3rd to June 7th 2024. It was organized to support and inspire both new and returning teachers, as well as aspiring educators. The event featured a series of sessions aimed at professional development, collaboration, and reflection. On 3rd June for new teachers the day began with an introduction session, aimed to familiarize them with the event's goals and schedule. From June 4th onwards, the event opened up to returning and aspiring teachers. A highlight of the day was an inspiring session conducted by Shaheen Mistri, the founder of Akanksha. Her presentation focused on motivational strategies, innovative teaching methodologies, and her journey in education, leaving a significant impact on all attendees. From 5th June – 7th June there were Grade and Section Specific throughout these days, various sessions were conducted, tailored to different grade levels and subject sections. These sessions were designed to address the unique challenges and opportunities within each teaching context. Educators engaged in collaborative activities, shared best practices, and explored new teaching techniques. At the end of each day's sessions, participants were given time for reflection. This allowed teachers to process what they had learned, discuss insights with peers, and consider how to implement new strategies in their classrooms. Feedback forms were distributed to gather participants' thoughts on the sessions, ensuring that future events can be improved based on their experiences. This event successfully provided valuable professional development opportunities and fostered a sense of community among educators.

3 जून से 7 जून तक आयोजित एडवेंचर कार्यक्रम, नए और लौटने वाले शिक्षकों के साथ-साथ इच्छुक शिक्षकों को समर्थन और प्रेरित करने के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में व्यावसायिक विकास, सहयोग और प्रतिबिंब के उद्देश्य से सत्रों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गई। 3 जून को नए शिक्षकों के लिए दिन की शुरुआत एक परिचय सत्र के साथ हुई, जिसका उद्देश्य उन्हें कार्यक्रम के लक्ष्यों और कार्यक्रम से परिचित कराना था। 4 जून से, यह कार्यक्रम लौटने वाले और इच्छुक शिक्षकों के लिए खुल गया। दिन का मुख्य आकर्षण आकांक्षा के संस्थापक शाहीन मिस्त्री द्वारा आयोजित एक प्रेरणादायक सत्र था। उनकी प्रस्तुति प्रेरक रणनीतियों, नवीन शिक्षण पद्धतियों और शिक्षा में उनकी यात्रा पर केंद्रित थी, जिसने सभी उपस्थित लोगों पर महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ा। 5 जून से 7 जून तक इन दिनों में ग्रेड और अनुभाग विशिष्ट थे, विभिन्न ग्रेड स्तरों और विषय अनुभागों के अनुरूप विभिन्न सत्र आयोजित किए गए थे। ये सत्र प्रत्येक शिक्षण संदर्भ में अद्वितीय चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। शिक्षक सहयोगात्मक गतिविधियों में लगे रहे, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया और नई शिक्षण तकनीकों की खोज की। प्रत्येक दिन के सत्र के अंत में, प्रतिभागियों को चिंतन के लिए समय दिया गया। इससे शिक्षकों को जो कुछ उन्होंने सीखा है उसे संसाधित करने, साथियों के साथ अंतर्दृष्टि पर चर्चा करने और अपनी कक्षाओं में नई रणनीतियों को लागू करने के तरीके पर विचार करने की अनुमति मिली। सत्रों पर प्रतिभागियों के विचार एकत्र करने के लिए फीडबैक फॉर्म वितरित किए गए, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनके अनुभवों के आधार पर भविष्य की घटनाओं में सुधार किया जा सकता है। इस आयोजन ने सफलतापूर्वक मूल्यवान व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान किए और शिक्षकों के बीच समुदाय की भावना को बढ़ावा दिया।

2. Teachers' Practical Week at School.

This year's Prac Week 10th June to 14th June 2024. Four key initiatives were introduced to cultivate a vibrant learning environment. A new shared vision was shared, the culture of working together to establish a clear roadmap for the school's future. This ensured everyone felt invested in our collective success. Educators were introduced to innovative teaching practices, and fostering continuous growth by planning and facilitating various PD sessions during the practical week. Third, to create a supportive learning community, collaboration and knowledge sharing among staff was encouraged. A few teachers also got an opportunity to lead some of the PD sessions and share their knowledge with their colleagues. Finally, we kept the learning experience fresh by co-creating a dynamic landscape for students, filled with stimulating activities and an ever-evolving curriculum. These initiatives highlighted our commitment to fostering a thriving school community where both students and staff could flourish.



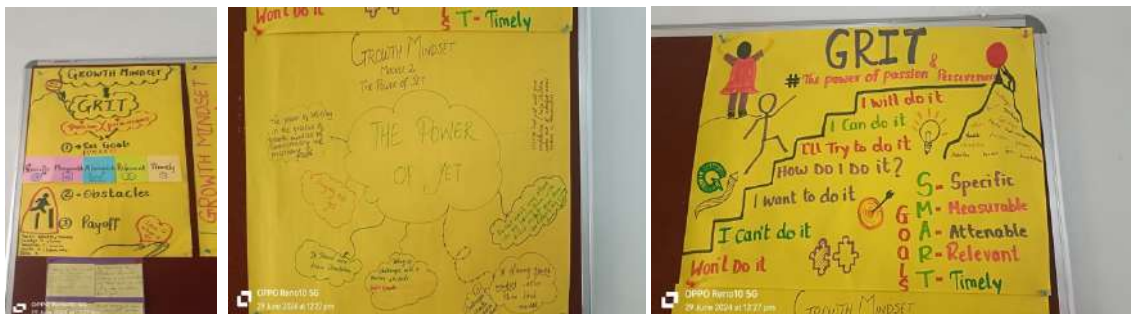
हमने सीखने का एक जीवंत माहौल तैयार करने के लिए चार प्रमुख पहलें शुरू कीं। सबसे पहले, हमने स्कूल के भविष्य के लिए एक स्पष्ट रोडमैप स्थापित करने के लिए मिलकर काम करते हुए एक साझा दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हर कोई हमारी सामूहिक सफलता में निवेशित महसूस करे। दूसरा, हमने शिक्षकों को नवीन शिक्षण प्रथाओं से लैस करके और व्यावहारिक सप्ताह के दौरान विभिन्न पी.डी सत्रों की योजना और सुविधा प्रदान करके निरंतर विकास को बढ़ावा देकर सशक्त बनाया। तीसरा, एक सहायक शिक्षण समुदाय बनाने के लिए, हमने कर्मचारियों के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने को प्रोत्साहित किया। कुछ शिक्षकों को कुछ पीडी सत्रों का नेतृत्व करने और अपने सहयोगियों के साथ अपना ज्ञान साझा करने का अवसर भी मिला। अंत में, हमने छात्रों के लिए प्रेरक गतिविधियों और लगातार विकसित होने वाले पाठ्यक्रम से भरे एक गतिशील परिदृश्य का सह-निर्माण करके सीखने के अनुभव को ताज़ा रखा। इन पहलों ने एक संपन्न स्कूल समुदाय को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जहां छात्र और कर्मचारी दोनों फल-फूल सकें।



3. Independent Learning Session with Tech on Growth Mindset

On 12th June, 2024 during the prac week at NMMC school no. 93, teacher training session on Growth mindset was conducted by school leader Diana Isabel. The session started with the introduction of the three self paced books that can be read by the teacher throughout the year in a book club - Grit, Mindset and How to talk so kids will listen and listen so kids will talk.. The session divided the teachers in groups to cover 4 modules of growth mindset that covered neuroplasticity, the power of yet effective praise and how to encourage grit in students through SMART goal setting. The teacher watched self educating videos and followed it up with reflecting questions. Group sharing and presentation allowed space for restoration and strengthening the shift of focus from fixed mindset to growth mindset. The teachers collaborated and presented their work on charts for the whole school presentation.

12 जून, 2024 को एनएमएमसी स्कूल नं. 93 में अभ्यास सप्ताह के दौरान विकास मानसिकता पर शिक्षक प्रशिक्षण सत्र का संचालन स्कूल लीडर डायना इसाबेल द्वारा किया गया। सत्र की शुरुआत तीन स्व-चालित पुस्तकों के परिचय के साथ हुई, जिन्हें शिक्षक पूरे वर्ष पढ़ सकते हैं। धैर्य, मानसिकता और कैसे बात करें ताकि बच्चे सुनें और सुनें ताकि बच्चे बात करें, ये पुस्तकें शिक्षक पुस्तक क्लब के एक भाग के रूप में शिक्षकों को भेंट की गईं। सत्र ने विकास मानसिकता के 4 मॉड्यूल को कवर करने के लिए शिक्षकों को समूहों में विभाजित किया, जिसमें न्यूरोप्लास्टिकिटी, फिर भी प्रभावी प्रशंसा की शक्ति और स्मार्ट लक्ष्य निर्धारण के माध्यम से छात्रों में धैर्य को कैसे प्रोत्साहित किया जाए। शिक्षक ने स्व-शिक्षित करने वाले वीडियो देखे और उसके बाद चिंतनशील प्रश्न पूछे। समूह साझाकरण और प्रस्तुतिकरण ने निश्चित मानसिकता से विकास मानसिकता की ओर फोकस के बदलाव को बहाल करने और मजबूत करने की अनुमति दी। शिक्षक ने सहयोग किया और पूरे स्कूल की प्रस्तुति के लिए चार्ट पर अपना काम प्रस्तुत किया।



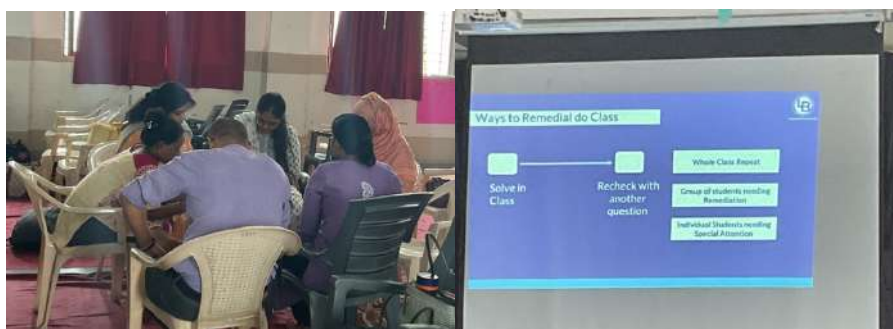
4. LEAD Remedial Training

The LEAD remedial training session kicked off with a deep dive into the Gradual Release of Responsibility framework, equipping educators with a structured approach to scaffold student learning. Following this foundational introduction, the focus shifted towards error identification and categorization. Participants actively participated in exercises to pinpoint and classify different types of errors, including conceptual misunderstandings, comprehension gaps, procedural missteps, and computational mistakes, across various subject clusters. To solidify their newfound skills, the session transitioned into a practical component. Utilizing case studies, educators honed their ability to identify the specific error type within a given scenario and collaboratively brainstormed effective remedial strategies to address the underlying student needs. This comprehensive training not only enriched educators' understanding of error analysis but also empowered them to develop targeted interventions, ultimately propelling student success.

LEAD सुधारात्मक प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत जिम्मेदारी के क्रमिक विमोचन ढांचे में गहनता से की गई, जिसमें शिक्षकों को छात्र सीखने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण से लैस किया गया। इस मूलभूत परिचय के बाद, ध्यान वृद्धि

पहचान और वर्गीकरण की ओर चला गया। प्रतिभागियों ने विभिन्न विषय समूहों में वैचारिक गलतफहमी, समझ के अंतराल, प्रक्रियात्मक गलतियों और गणना संबंधी गलतियों सहित विभिन्न प्रकार की त्रुटियों को इंगित करने और वर्गीकृत करने के लिए अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लिया। अपने नए कौशल को मजबूत करने के लिए, सत्र एक व्यावहारिक घटक में परिवर्तित हो गया। केस स्टडी का उपयोग करते हुए, शिक्षकों ने किसी दिए गए परिदृश्य में विशिष्ट त्रुटि प्रकार की पहचान करने की अपनी क्षमता को निखारा और अंतर्निहित छात्र आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए प्रभावी उपचारात्मक रणनीतियों पर सहयोगात्मक रूप से विचार-विमर्श किया।

इस व्यापक प्रशिक्षण ने न केवल शिक्षकों की त्रुटि विश्लेषण की समझ को समृद्ध किया, बल्कि उन्हें लक्षित हस्तक्षेप विकसित करने के लिए भी सशक्त बनाया, जिससे अंततः छात्र सफलता को बढ़ावा मिला।



5. Introduction of Independent Learning structure in PP classes

With the success of the prepared environment in Nursery, independent learning is being introduced this year for Kindergarten students to nurture the development of key skills and dispositions that will serve them well throughout their lives. Independent learning involves learners having ownership and control over their learning, directing, regulating, and assessing their own progress.

Teachers play a crucial role in fostering independent learning, guiding early childhood development by creating a supportive environment, encouraging exploration, fostering decision-making skills, building confidence, developing self-regulation skills, promoting social skills, integrating play-based learning, and monitoring progress. This year, teachers have the opportunity to model independent learning in their classrooms, focusing on two learning spaces: Phonics and Numeracy, based on the concepts they are teaching within a week.



Further progress will include integrating independent learning into all areas of learning and life skills. Teachers are setting norms and expectations for working with resources independently and regularly monitoring and assessing children's progress to ensure they are developing key skills and dispositions effectively.

नर्सरी में तैयार किए गए माहौल की सफलता के साथ, इस साल किंडरगार्टन के छात्रों के लिए स्वतंत्र शिक्षा की शुरुआत की जा रही है ताकि प्रमुख कौशल और स्वभाव के विकास को बढ़ावा दिया जा सके जो उन्हें जीवन भर अच्छी तरह से काम आएगा।

स्वतंत्र शिक्षण में शिक्षार्थियों का अपने सीखने पर स्वामित्व और नियंत्रण, निर्देशन, विनियमन और अपनी प्रगति का आकलन करना शामिल है।



शिक्षक स्वतंत्र शिक्षा को बढ़ावा देने, एक सहायक वातावरण बनाकर प्रारंभिक बचपन के विकास का मार्गदर्शन करने, अन्वेषण को प्रोत्साहित करने, निर्णय लेने के कौशल को बढ़ावा देने, आत्मविश्वास का निर्माण करने, स्व-नियमन कौशल विकसित करने, सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने, खेल-आधारित शिक्षा को एकीकृत करने और निगरानी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रगति। इस वर्ष, शिक्षकों के पास अपनी कक्षाओं में स्वतंत्र शिक्षण का मॉडल तैयार

करने का अवसर है, जिसमें दो सीखने के स्थानों पर ध्यान केंद्रित किया गया है: ध्वनि विज्ञान और संख्यात्मकता, उन अवधारणाओं के आधार पर जिन्हें वे एक सप्ताह के भीतर पढ़ा रहे हैं।

आगे की प्रगति में सीखने और जीवन कौशल के सभी क्षेत्रों में स्वतंत्र शिक्षा को एकीकृत करना शामिल होगा। शिक्षक स्वतंत्र रूप से संसाधनों के साथ काम करने के लिए मानदंड और अपेक्षाएं निर्धारित कर रहे हैं और नियमित रूप से बच्चों की प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे प्रमुख कौशल और स्वभाव प्रभावी ढंग से विकसित कर रहे हैं।

6. School Reopening - 15th July for Gr 6 and 7, 18th July - Kg to Gr 5.

As summer break concluded, the reopening of all classes marked a significant milestone in the academic calendar. Students are enthusiastically starting their new classes with their dedicated teachers who prepared diligently for their arrival. All stakeholders were present to welcome and support the children's emotions and well-being during this transition period. The entry process was thoughtfully organized with staggered timings, ensuring a smooth start for each child. Previous teachers stood with grade placards and warmly greeted all the students.

Each student in the KGs and Grade 1 received a welcome card upon entry, a token of appreciation and encouragement. Inside the classrooms, they were engaged in exciting activities such as free play, music and movement, and norm-setting exercises, fostering a positive learning environment from the start. They guided them through the human tunnel created by Pre-primary teachers, core team members and helpers. At the end of the tunnel, new teachers eagerly awaited to welcome the children to their next educational journey.

Teachers and students collaborated on different activities, strengthening bonds and building rapport throughout the day. The children conclude their first day with joyful dancing and a small takeaway, returning home with smiles and anticipation for the days ahead.





जैसे ही ग्रीष्म अवकाश समाप्त होता है, किंडरगार्टन और ग्रेड 1 का फिर से खुलना शैक्षणिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। छात्र उत्साहपूर्वक अपने समर्पित शिक्षकों के साथ अपनी नई कक्षाएं शुरू कर रहे हैं जिन्होंने उनके आगमन के लिए लगन से तैयारी की। इस संक्रमण काल के दौरान बच्चों की भावनाओं और भलाई का स्वागत और समर्थन करने के लिए सभी हितधारक उपस्थित थे।

प्रवेश प्रक्रिया को सोच-समझकर अलग-अलग समय पर व्यवस्थित किया गया था, जिससे प्रत्येक बच्चे के लिए सहज शुरुआत सुनिश्चित हुई। पूर्ववर्ती शिक्षक ग्रेड प्लेकार्ड लेकर खड़े हुए और सभी विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने प्री-प्राइमरी शिक्षकों, कोर टीम के सदस्यों और सहायकों द्वारा बनाई गई मानव सुरंग के माध्यम से उनका मार्गदर्शन किया। सुरंग के अंत में, नए शिक्षक अपनी अगली शैक्षणिक यात्रा में बच्चों का स्वागत करने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे थे।

प्रत्येक छात्र को प्रवेश पर एक स्वागत कार्ड, प्रशंसा और प्रोत्साहन का प्रतीक प्राप्त हुआ। कक्षाओं के अंदर, वे शुरू से ही सकारात्मक सीखने के माहौल को बढ़ावा देते हुए, मुफ्त खेल, संगीत और आंदोलन और मानदंड-निर्धारण अभ्यास जैसी रोमांचक गतिविधियों में लगे हुए थे।

शिक्षकों और छात्रों ने दिन भर विभिन्न गतिविधियों, संबंधों को मजबूत करने और संबंध बनाने में सहयोग किया। बच्चे अपने पहले दिन का समापन हर्षोल्लासपूर्ण नृत्य और एक छोटे से उपहार के साथ करते हैं, और आने वाले दिनों के लिए मुस्कुराहट और प्रत्याशा के साथ घर लौटते हैं।

STUDENT VOICE AND WELLBEING

1. Yoga Day - 21st June 2024

International Yoga Day was celebrated with great enthusiasm and participation from students, teachers, and staff. The event aimed to promote the importance of yoga in maintaining a healthy lifestyle and enhancing physical and mental well-being. P.E teachers were the Yoga instructors and they demonstrated various yoga poses and breathing exercises, explaining their benefits and correct techniques. Students from different grades participated actively following the instructor's guidance with keen interest.

एनएमएमसी में हमने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बहुत उत्साह और छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की भागीदारी के साथ मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ जीवनशैली को बनाए रखने और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में योग के महत्व को बढ़ावा देना था। हमारे पी.ई. शिक्षक योग प्रशिक्षक थे। उन्होंने विभिन्न योग आसन और श्वास अभ्यास का प्रदर्शन किया, उनके लाभ और सही तकनीक के बारे में बताया। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने प्रशिक्षक के मार्गदर्शन का पालन करते हुए गहरी रुचि के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया।



2. Handling Breakdowns

The session "Handling Breakdowns" was designed to provide educators with practical strategies to handle emotional and behavioral breakdowns in the classroom, ensuring a supportive learning environment. Over the course of an hour, teachers were introduced to various techniques, starting with an understanding of the common causes and signs of breakdowns, such as lack of clear expectations, ineffective classroom management, and external factors. The session included discussions on immediate response strategies like the "Pause and Breathe" techniques and long-term management techniques such as establishing consistent routines and utilizing positive reinforcement. Additionally, communication skills and the importance of collaboration with support staff were emphasized to create a comprehensive approach to managing classroom disruptions.

The session also featured interactive elements, including role-playing exercises and group discussions, to allow teachers to practice and internalize the strategies presented. Participants engaged in activities like active listening, conflict resolution, and creating personal action plans to apply what they learned. The session concluded with an interactive Q&A, providing an opportunity for teachers to address specific concerns and scenarios. Handouts, scenario cards, and visual aids were used throughout the workshop to reinforce learning. Follow-up support was offered through feedback forms and the possibility of additional consultations. Overall, the workshop aimed to equip teachers with the tools needed to handle breakdowns effectively, fostering a more positive and conducive learning environment for all students.

रेकडाउन को संभालना सत्र को शिक्षकों को कक्षा में भावनात्मक और व्यवहारिक ब्रेकडाउन को संभालने के व्यावहारिक रणनीतियों से परिचित कराने के लिए डिज़ाइन किया गया था, ताकि एक सहायक सीखने का वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। एक घंटे के दौरान, शिक्षकों को ब्रेकडाउन के सामान्य कारणों और संकेतों को समझने के साथ-साथ विभिन्न तकनीकों से परिचित कराया गया, जैसे कि स्पष्ट अपेक्षाओं की कमी, अप्रभावी कक्षा प्रबंधन, और बाहरी कारक। सत्र में तत्काल

प्रतिक्रिया रणनीतियों जैसे "रोकें और सांस लें" तकनीक और दीर्घकालिक प्रबंधन तकनीकें जैसे कि निरंतर दिनचर्या स्थापित करना और सकारात्मक सुदृढीकरण का उपयोग करना शामिल था। इसके अलावा, संचार कौशल और समर्थन स्टाफ के साथ सहयोग के महत्व पर जोर दिया गया ताकि कक्षा की रुकावटों को प्रबंधित करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण बनाया जा सके।

सत्र में इंटरएक्टिव तत्व भी शामिल थे, जिसमें रोल-प्लेइंग अभ्यास और समूह चर्चा शामिल थीं, ताकि शिक्षक प्रस्तुत रणनीतियों का अभ्यास और आंतरिककरण कर सकें। प्रतिभागियों ने सक्रिय सुनने, संघर्ष समाधान और व्यक्तिगत कार्य योजनाएं बनाने जैसी गतिविधियों में भाग लिया, ताकि उन्होंने जो सीखा उसे लागू कर सकें। सत्र का समापन एक इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तर के साथ हुआ, जिसमें शिक्षकों को विशेष चिंताओं और परिदृश्यों को संबोधित करने का अवसर मिला। पूरे कार्यशाला

के दौरान, हैंडआउट्स, परिदृश्य कार्ड और दृश्य एड्स का उपयोग किया गया ताकि सीखने को सुदृढ़ किया जा सके। फीडबैक फॉर्म और अतिरिक्त परामर्श की संभावना के माध्यम से फॉलो-अप समर्थन की पेशकश की गई। कुल मिलाकर, कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षकों को ब्रेकडाउन को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करना था, ताकि सभी छात्रों के लिए एक अधिक सकारात्मक और अनुकूल सीखने का वातावरण तैयार किया जा सके।

3. Gender Inclusivity

Considering June being the Pride Month, a session on Gender Inclusivity was planned for Teachers. On 14th June, 2024 during the prac week at NMMC school no. 93, teacher training module on Gender sensitivity was shared by school leader Diana Isabel. The module started with the introduction of the need for having gender sensitive classrooms from an early age. The module was self paced and was given as a task to be completed during the asynchronous activity time. It highlighted the need for gender inclusion, how it looks in the practical world and the importance of the same. The teacher watched self-educating videos and followed it up with reflecting questions. The module beautifully captured the essence of having gender sensitive language even in terms of the textbooks for each grade and how the examples and content can also be made more inclusive. The module also had resources that could be used to break gender stereotypes existing in education & promote inclusivity at different levels to make children more aware, empathetic and kind.





समावेशन की आवश्यकता, व्यावहारिक दुनिया में यह कैसा दिखता है और इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया। शिक्षक ने स्व-शिक्षित वीडियो देखे और उसके बाद चिंतनशील प्रश्न पूछे। मॉड्यूल ने प्रत्येक ग्रेड के लिए पाठ्यपुस्तकों के संदर्भ में भी लिंग संवेदनशील भाषा के सार को खूबसूरती से दर्शाया है और कैसे उदाहरणों और सामग्री को भी अधिक समावेशी बनाया जा सकता है। मॉड्यूल में ऐसे संसाधन भी थे जिनका उपयोग शिक्षा में मौजूद लैंगिक रूढ़िवादिता को तोड़ने और बच्चों को अधिक जागरूक, सहानुभूतिपूर्ण और दयालु बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है।

4. Developmental Milestones

On 12th June a session on developmental milestones was conducted with the teachers. The session on developmental milestones was conducted to provide teachers with essential knowledge for monitoring and supporting children's growth. Understanding these milestones is crucial for early identification of potential developmental delays, allowing for timely intervention and significantly improving outcomes. Recognizing developmental milestones allows for the early identification of

Developmental Milestones			
Domains:	PHYSICAL	SOCIO EMOTIONAL	LANGUAGE COGNITIVE
Normative Developmentally appropriate where child meets milestones on time	Delayed Lag/ delay in meeting milestones, but child can catch up with support and opportunities to acquire and practice skills.	Concerning Significant delay in meeting milestones beyond just context that may indicate impairment in ability to acquire skill/ learning. Needs intensive interventions and support.	

potential developmental delays or disorders. Early intervention can significantly improve outcomes for children who need additional support. The session aimed to equip educators with the ability to recognize typical development patterns, enhancing their teaching strategies and creating a supportive learning environment. By

aligning instructional methods with children's developmental stages, teachers can better cater to individual needs and promote effective learning.

To ensure practical application, the session included case studies where teachers worked in groups to identify specific concerns about children's development. They discussed strategies for providing targeted support within the classroom, fostering a collaborative approach to addressing developmental needs. This hands-on experience allowed teachers to apply theoretical knowledge to real-life scenarios, enhancing their ability to support children's optimal growth and development. Overall, the session empowered teachers with the knowledge and tools necessary to effectively monitor and support their students' developmental progress.

12 जून को शिक्षकों के साथ विकासात्मक मील के पथरों पर एक सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र शिक्षकों को बच्चों के विकास की निगरानी और समर्थन के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था। इन मील के पथरों को समझना संभावित विकासात्मक देरी की प्रारंभिक पहचान के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे समय पर हस्तक्षेप और परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार हो सकता है। विकासात्मक मील के पथरों को



पहचानने से संभावित विकासात्मक देरी या विकारों की प्रारंभिक पहचान की जा सकती है। प्रारंभिक हस्तक्षेप उन बच्चों के परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार कर सकता है जिन्हें अतिरिक्त समर्थन की आवश्यकता होती है। सत्र का उद्देश्य शिक्षकों को सामान्य विकास पैटर्न को पहचानने की क्षमता से लैस करना था, जिससे उनकी शिक्षण रणनीतियों को बढ़ावा मिले और एक सहायक सीखने का माहौल बने। शिक्षण विधियों को बच्चों के विकासात्मक चरणों के साथ संरेखित करके, शिक्षक व्यक्तिगत आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा कर सकते हैं और प्रभावी सीखने को बढ़ावा दे सकते हैं।

व्यावहारिक अनुप्रयोग सुनिश्चित करने के लिए, सत्र में केस स्टडीज शामिल थीं जहाँ शिक्षकों ने समूहों में बच्चों के विकास के बारे में विशिष्ट चिंताओं की पहचान की। उन्होंने कक्षा के भीतर लक्षित समर्थन प्रदान करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की, जिससे विकासात्मक आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण को बढ़ावा मिला। इस व्यावहारिक अनुभव ने शिक्षकों को वास्तविक जीवन परिदृश्यों में सैद्धांतिक ज्ञान को लागू करने की अनुमति दी, जिससे वे बच्चों के इष्टतम विकास और प्रगति का समर्थन करने की क्षमता बढ़ा सकें। कुल मिलाकर, सत्र ने शिक्षकों को अपने छात्रों की विकासात्मक प्रगति की प्रभावी ढंग से निगरानी और समर्थन करने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से सशक्त बनाया।

PARENT COMMUNITY ENGAGEMENT AND DEVELOPMENT

1. Parent Orientation Pre- primary

Before the reopening of the school, a Parent Orientation was organised for KGs and Grade 1 on June 14th and 15th, 2024, from 9:30 am to 11:30 am. The orientation was led by the Preprimary Coordinator, Teacher Leaders, Counselors, and Social Workers. We began the orientation with the SEE practice and the norms led by the Counselors. We introduced the Pre Primary teachers and the core team members. Diana Didi, our school principal, shared information about the school's growth and strength. Rashmi Didi, our School Coach, also showed her presence throughout the orientation. We had a special guest, Aruna Yadav, the Education Officer, who shared expectations from the parents and emphasized the importance of education.



To engage the parents and give them a sense of the classroom, the teachers of KGs planned Brain Gym, Energizer, and Trivia activities for the parents. Detailed information about the timings, expectations from the parents, holiday list, dispersal areas, meeting schedule for parents, daily requirements to be sent along with the students, assessment timeline, addressing concerns, and meeting times with teachers, counselors, and social workers was shared with the parents.

एनएमएमसी में, स्कूल को फिर से खोलने से पहले, हमने 14 और 15 जून, 2024 को सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक केजी और ग्रेड 1 के लिए पेरेंट ओरिएंटेशन का आयोजन किया। अभिविन्यास का नेतृत्व प्रीप्राइमरी समन्वयक, शिक्षक नेताओं, परामर्शदाताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया था। हमने एसईई अभ्यास और परामर्शदाताओं के नेतृत्व वाले मानदंडों के साथ अभिविन्यास शुरू किया। हमने प्री प्राइमरी शिक्षकों और कोर टीम के सदस्यों का परिचय कराया।

हमारे स्कूल की प्रिंसिपल डायना दीदी ने स्कूल के विकास और ताकत के बारे में जानकारी साझा की। हमारी स्कूल कोच रश्मी दीदी ने भी पूरे ओरिएंटेशन के दौरान अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। हमारे पास एक विशेष अतिथि, शिक्षा अधिकारी अरुणा यादव थीं, जिन्होंने माता-पिता से अपेक्षाएं साझा कीं और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।

माता-पिता को संलग्न करने और उन्हें कक्षा का एहसास दिलाने के लिए, केजी के शिक्षकों ने माता-पिता के लिए ब्रेन जिम, एनर्जाइज़र और ट्रिविया गतिविधियों की योजना बनाई। समय, माता-पिता से अपेक्षाएं, छुट्टियों की सूची, फैलाव क्षेत्र, माता-पिता के लिए बैठक कार्यक्रम, छात्रों के साथ भेजी जाने वाली दैनिक आवश्यकताएं, मूल्यांकन समयरेखा, चिंताओं को संबोधित करना और शिक्षकों, परामर्शदाताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के समय के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई थी। माता-पिता के साथ साझा किया गया।

2. Parent Orientation Primary

On June 14th, 2024, the school held a parent orientation meeting to welcome parents and guardians for the new academic year, aiming to familiarize everyone with the school's policies, procedures, and staff. The meeting began with an overview of the school's rules, behavior expectations, dress code, disciplinary procedures, and the end-of-day dispersal procedure. Important dates for assessments, holidays, and school breaks were shared to aid in scheduling. Faculty members, including class and subject-specific teachers, were introduced. The importance of regular attendance was emphasized, and volunteer opportunities were highlighted. Parents were invited to join the School Management Committee (SMC) to collaborate on student betterment. New initiatives such as computer classes for specific age groups, were introduced. The meeting concluded with an open forum for questions, covering topics like school uniforms and new policies, leaving parents with valuable insights into the school's commitment to quality education.



14 जून, 2024 को, स्कूल ने नए शैक्षणिक वर्ष के लिए माता-पिता और अभिभावकों का स्वागत करने के लिए एक अभिभावक अभिविन्यास बैठक आयोजित की, जिसका उद्देश्य सभी को स्कूल की नीतियों, प्रक्रियाओं और कर्मचारियों से परिचित कराना था। बैठक की शुरुआत स्कूल के नियमों, व्यवहार अपेक्षाओं, ड्रेस कोड, अनुशासनात्मक प्रक्रियाओं और दिन के अंत में फैलाव प्रक्रिया के अवलोकन के साथ हुई। शेड्यूलिंग में सहायता के लिए मूल्यांकन, छुट्टियों और स्कूल ब्रेक की महत्वपूर्ण तिथियां साझा की गईं। कक्षा और विषय-विशिष्ट शिक्षकों सहित संकाय सदस्यों का परिचय कराया गया।

नियमित उपस्थिति के महत्व पर जोर दिया गया और स्वयंसेवी अवसरों पर प्रकाश डाला गया। छात्रों की बेहतरी पर सहयोग करने के लिए अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। विशिष्ट आयु समूहों के लिए कंप्यूटर कक्षाओं जैसी नई पहल शुरू की गई। बैठक का समापन प्रश्नों के लिए एक खुले मंच के साथ हुआ, जिसमें स्कूल की वर्दी और नई नीतियों जैसे विषयों को शामिल किया गया, जिससे अभिभावकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता के बारे में बहुमूल्य जानकारी मिली।

3. Community Visit

On 13th June 2024, as a part of the prac week schedule, teachers were sensitised to the need of going on community visits and meeting students and their families on an ongoing basis throughout the year. The session was facilitated by SWs Swati Didi and Ashok Bhaiya. On 13th June, teachers and the entire staff visited a few students' homes in the nearby localities to meet the children and their families. Especially for the new staff members in school, this entire exercise gave an opportunity for the returning staff to handhold and mentor them by modelling the home visit routines. This was followed by a reflection circle at school.



The School's Parent Community Engagement and Development (PCED) Goal is "We will empower parents to build an active partnership to increase engagement, bridge gaps and provide a safe and nurturing environment for children at school, home and neighbourhood". Community Visits help establish a strong bond with the parent community.



13 जून 2024 को, अभ्यास सप्ताह कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, शिक्षकों को पूरे वर्ष निरंतर आधार पर सामुदायिक दौरों पर जाने और छात्रों और उनके परिवारों से मिलने की आवश्यकता के प्रति संवेदनशील बनाया गया। सत्र का संचालन एसडब्ल्यू स्वाति दीदी और अशोक भैया ने किया। 13 जून को, शिक्षक और पूरा स्टाफ बच्चों और उनके परिवारों से मिलने के लिए आस-पास के इलाकों में कुछ छात्रों के घर गए। विशेष रूप से स्कूल में नए स्टाफ सदस्यों के लिए, इस पूरे अभ्यास ने रिटर्निंग स्टाफ को घर

के दौरे की दिनचर्या को मॉडल करके उन्हें संभालने और सलाह देने का अवसर दिया। इसके बाद स्कूल में एक प्रतिबिंब चक्र का आयोजन किया गया।

स्कूल का अभिभावक समुदाय जुड़ाव और विकास (पीसीईडी) लक्ष्य है "हम माता-पिता को जुड़ाव बढ़ाने, अंतराल को पाटने और स्कूल, घर और पड़ोस में बच्चों के लिए एक सुरक्षित और पोषण वातावरण प्रदान करने के लिए सक्रिय साझेदारी बनाने के लिए सशक्त बनाएंगे"। सामुदायिक दौरे मूल समुदाय के साथ एक मजबूत बंधन स्थापित करने में मदद करते हैं।

4. Parent Class for Kindergarten

A Parent Class was conducted on 28th June 2024 for parents of Junior and Senior Kindergarten students that aimed at providing a comprehensive understanding of the kindergarten curriculum, teaching methods, and yearly expectations. The primary objective of the Parent Class is to familiarize parents with the various components of the kindergarten curriculum and the teaching strategies employed in the classroom. By gaining insights into these aspects, parents can better support their child's educational journey, ensuring a seamless and enriching learning experience.



Attending the Parent Class is crucial and offers essential information about the curriculum and teaching methods. This knowledge prepares parents to be active participants in their child's education, helping them reinforce learning at home and stay aligned with the school's educational goals throughout the year. By bridging the gap between home and school, the Parent Class fosters a collaborative environment where parents and teachers work together to enhance the overall development and success of kindergarten students.

28 जून 2024 को जूनियर और सीनियर किंडरगार्टन छात्रों के माता-पिता के लिए एक पेरेंट क्लास आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य किंडरगार्टन पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियों और वार्षिक अपेक्षाओं की व्यापक समझ प्रदान करना था। पेरेंट क्लास का प्राथमिक उद्देश्य माता-पिता को किंडरगार्टन पाठ्यक्रम के विभिन्न घटकों और कक्षा में नियोजित शिक्षण रणनीतियों से परिचित कराना है। इन पहलुओं में अंतर्दृष्टि प्राप्त करके, माता-पिता अपने बच्चे की शैक्षिक यात्रा का बेहतर समर्थन कर सकते हैं, एक सहज और समृद्ध सीखने का अनुभव सुनिश्चित कर सकते हैं।



अभिभावक कक्षा में भाग लेना महत्वपूर्ण है और पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान करता है। यह ज्ञान माता-पिता को अपने बच्चे की शिक्षा में सक्रिय भागीदार बनने के लिए तैयार करता है, जिससे उन्हें घर पर सीखने को सुदृढ़ करने और पूरे वर्ष स्कूल के शैक्षिक लक्ष्यों के साथ जुड़े रहने में मदद मिलती है।

घर और स्कूल के बीच की दूरी को पाटकर, पेरेंट क्लास एक सहयोगी माहौल को बढ़ावा देता है जहां माता-पिता और शिक्षक किंडरगार्टन छात्रों के समग्र विकास और सफलता को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते हैं।